56. B D. उपहृत H. उपहित; utrumque ferri potest. Pro दूरं D. male ऊर्ध्वं.

57. निह्रादी B W. - कन्दरासु et समस्तः D.

58. H. उपक्रम्य.

59. H. दर्शनस्य. - W. तुङ्गोच्छ्रायैः.

60. Pro शोभां D. लेलां; voluitne लीलां ? neque hoc aptum est. - B. अद्रेस्तिमिर male.

61. नीलं pro तस्मिन् D. - विचरेत् B H. - D. कुरु सुखपद°.

62. D. primum versum sic exhibet:

तत्रावश्यं जनितसलिलोद्गारमन्तःप्रवेशं

शर्म recepi ex H. pro धर्म, quod reliqui praebent. - H. भीषयेस्ताः.

63. H. सजलनयनैः sensu cassnm. - D. °भिन्नः et निर्विशेः पर्वतं तं.

64. D. habet scriptionem दुगूलां.

66. D. scribit रोध्र, W. कुरुवक. - B W. सीमन्ते ऽपि.

67. D. फलं pro रसं.

68. Strophas sequentes D. ordine exhibet hoc: 71, 70, 69, 68. Pro नलिनैः D. कमलैः, dein H. विस्रंसिभिश्च, tum D. मुक्तालग्नपरिमलैश्छिन्नसूत्रैश्च.

69. H. उच्छ्वसन. - D. अभिमुखमपि fortasse melius.

70. D. यद्व pro ये. - B W. सजलकपिाका. - D. °निपुणां.

71. Deest in B. - W H. उच्छ्वासितालिङ्गितानां. - D. चोदितैः pro प्रेरितैः, quae voces vulgo in codd. inter se permutantur. - H. नवजल.

72. H. कामलक्ष्येषु.

73. W. अत्र pro तत्र. - D. तदमरधनु° et यस्योपान्ते - H. विनतो pro नमितो.

74. H. कुसुमैः pro मुकुलैः. - D. ध्यायन्ति.